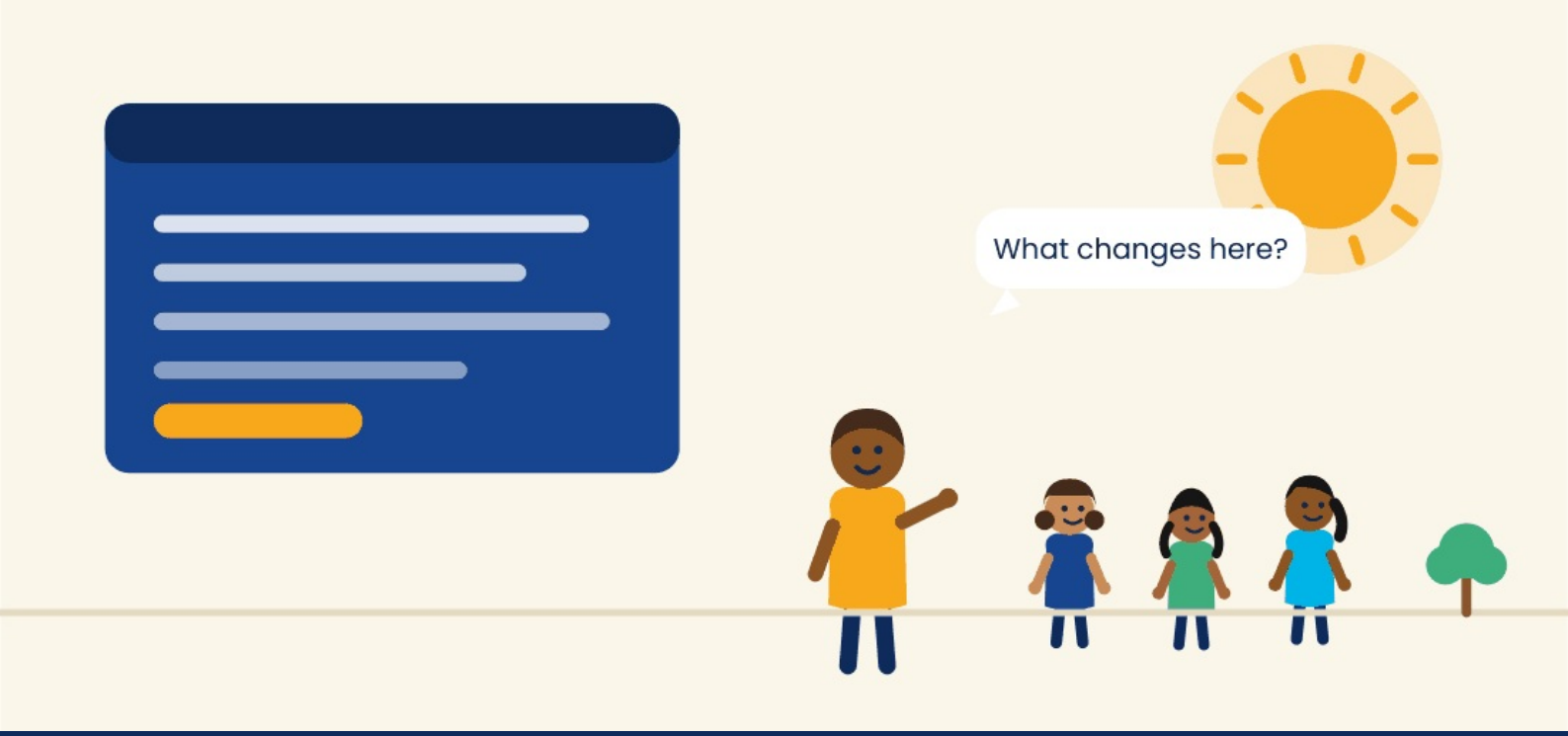

रोटरी पीस फ़ेलोशिप की एक सामाजिक बदलाव पहल

फैसिलिटेटर *गाइड*

आप शायद इसे इसलिए पढ़ रहे हैं क्योंकि किसी ने आपसे बच्चों के साथ एक सत्र चलाने को कहा, और आपने यह जाँचे बिना हाँ कह दी कि इसमें क्या-क्या लगेगा। यह किताब आपको वहाँ तक पहुँचा देगी।

क्लाइमेट एक्शन हीरोज़ • CLIMATEACTIONHEROES.ORG

रोटरैक्ट और इंटरैक्ट | एनजीओ और शिक्षक | युवा कार्यकर्ता | 10 से 18 वर्ष | ऑफ़लाइन और ऑनलाइन

यह क्लाइमेट चैंपियंस हैंडबुक की साथी किताब है। दोनों किताबों में वही गतिविधि कोड और वही शीर्षक हैं, इसलिए जब बच्चों की किताब कहती है "फैसिलिटेटर गाइड O4 देखें", तो आप सही पन्ना यहाँ कुछ ही सेकंड में पा सकते हैं, सत्र के बीचोंबीच भी, जब तीस बच्चे इंतज़ार कर रहे हों।

इसे इस्तेमाल करने के लिए आपको फैसिलिटेशन का कोई अनुभव नहीं चाहिए। आपको पन्ना 2 और 3 चाहिए, और दोनों मिलाकर करीब दस मिनट लेते हैं।

सबसे पहले

दस बातें जो बच्चों को सुरक्षित रखती हैं

इस जैसी ज़्यादातर किताबों में बाल-सुरक्षा पीछे की ओर होती है, उस हिस्से में जिसे हर कोई पढ़ने का इरादा रखता है और किसी तरह कभी नहीं पढ़ता। हमारी खंड 17 में है और पूरी है। पर आप सबसे अधिक संभावना है कि यह सत्र से एक शाम पहले पढ़ रहे हैं, जब कल बच्चे आने वाले हैं, इसलिए जो दस बातें सबसे ज़्यादा मायने रखती हैं वे यहाँ हैं, उसी पहले पन्ने पर जिसे आप सचमुच खोलेंगे।

इनमें से कोई भी जटिल नहीं है। ये ज़्यादातर एक ही आदत पर आकर टिकती हैं: किसी बच्चे को आपकी गतिविधि में हिस्सा लेने के लिए अपनी ज़िंदगी के बारे में कुछ बताने पर कभी मजबूर न करें।

	यह कीजिए
1	किसी बच्चे से कभी न पूछें कि उसने कोई सदमा, विस्थापन, ग़रीबी, बीमारी, माहवारी या पारिवारिक हालात झेले हैं या नहीं। न वार्म-अप के तौर पर, न उदाहरण के तौर पर।
2	असमानता से जुड़े किसी भी परिदृश्य के लिए कल्पित किरदार इस्तेमाल कीजिए। कार्ड हैंडबुक के पृष्ठ 27 पर हैं।
3	अगर आपसे कुछ बताया जाए तो मेज़बान संस्था की बाल-संरक्षण प्रक्रिया का पालन कीजिए। पहुँचने से पहले जान लीजिए कि वह क्या है।
4	किसी बच्चे को इस बात के लिए शर्मिंदा मत कीजिए कि उसका परिवार क्या ख़रीदता है, क्या जलाता है, क्या फेंकता है, या क्या नहीं जुटा सकता।
5	नाम, चेहरे, रिकॉर्डिंग और सटीक जगहें सुरक्षित रखिए। तस्वीरों की सहमति स्कूल या एनजीओ से सत्र से पहले तय होती है, सत्र के दौरान नहीं।
6	आपदा की भयावह तस्वीरें नहीं। कभी नहीं। न कोई बात साबित करने के लिए, न ध्यान खींचने के लिए।
7	ऑनलाइन: कोई रिकॉर्डिंग नहीं, बच्चों के चित्रों के स्क्रीनशॉट नहीं, निजी एक-से-एक संदेश नहीं, कैमरा अनिवार्य नहीं।
8	ब्रेकआउट रूम सिर्फ़ तभी जब मेज़बान संस्था की निगरानी और प्लैटफ़ॉर्म नियंत्रण इसके लिए उपयुक्त हों।
9	अगर कोई बच्चा परेशान हो जाए, तो गतिविधि रोक दीजिए। चर्चा तक ज़बरदस्ती मत पहुँचिए। उसे सँभालिए, सहारा दीजिए, फिर तय कीजिए कि आगे बढ़ना है या नहीं।
10	हर कठिन विषय का अंत किसी ऐसी व्यावहारिक बात से कीजिए जो कोई कर सकता है, और यह बताकर कि और कौन ज़िम्मेदार है।

वॉटर टैंक में एक फ़ैसला आपको लेना है। यह बच्चों से अभाव का अभिनय कराता है। जहाँ बच्चों ने विस्थापन या पानी की असली कमी झेली हो, वहाँ यह खेल वह सब लौटा सकता है। O4 वाला हल्का रूप इस्तेमाल कीजिए, पहले किसी छोटे समूह पर परखिए, और जान लीजिए कि इसे कैसे रोकेंगे।

शुरू में ज़ोर से कहने लायक़ एक वाक्य। समूह से कहिए कि कोई भी किसी भी गतिविधि से बाहर बैठ सकता है, बिना कोई वजह बताए और बिना कमरे से बाहर गए। इसमें आपके पाँच सेकंड लगते हैं, और कमरे के सबसे चुप बच्चे को एक दरवाज़ा मिल जाता है जिसे वह पूरे सत्र इस्तेमाल कर सकता है।

तो, कल

आपका पहला सत्र

अब आप जानते हैं कि किसकी रक्षा करनी है। बचा वह हिस्सा जिसकी सबको असल चिंता होती है: आप वहाँ खड़े होकर पैंतालीस मिनट करेंगे क्या। यह आपकी सोच से कम है, और शुरू करने के लिए आपको इस किताब का बाक़ी हिस्सा नहीं चाहिए।

क़दम	करें	यह क्यों मायने रखता है
1	पन्ना 2 और यह पन्ना पढ़िए।	बाल-सुरक्षा और योजना। करीब दस मिनट।
2	दो गतिविधियाँ चुनिए: O1 अपनी दुनिया बनाइए, फिर O4 वॉटर टैंक।	असली सत्रों में ये दोनों सबसे अच्छी टिकीं, जिनमें एक ऐसे कमरे में था जो ऊपर से बोलने लायक़ भी नहीं था।
3	हैंडबुक के पृष्ठ 26 से भूमिका कार्ड काट लीजिए। 30 से 40 छोटी चीज़ें जुटाइए।	बोतल के ढक्कन, कंकड़ और फटा काग़ज़, सब चलेंगे। कुछ भी ख़रीदिए मत।
4	45 मिनट की योजना बनाइए, दो घंटे की नहीं।	पायलट का हर सत्र योजना से छोटा निकला। हर एक।
5	किसी दूसरे स्वयंसेवक के साथ एक बार पूर्वाभ्यास कीजिए।	पहले पायलट सत्र में प्रशिक्षित स्वयंसेवक खुली चर्चा में बह गए और मुख्य गतिविधि से पहले ही समय ख़त्म हो गया। एक बार का अभ्यास इसे रोक देता है।

45 मिनट वाला रूप

0 से 4	स्वागत, नियम, बाहर बैठने का हक़	ध्यान दें
4 से 14	O1 मेरी जगह: अपनी दुनिया बनाइए	ध्यान दें
14 से 38	O4 वॉटर टैंक, चर्चा सहित	मिलकर काम करें
38 से 45	समापन: एक बात जो मैंने देखी, एक बात जो हम मिलकर कर सकते हैं	सोचें

चर्चा को बचाइए। अगर समय कम पड़ रहा हो, तो कोई गतिविधि काट दीजिए, चर्चा कभी नहीं। सीख गतिविधि में नहीं होती। उसके बाद की बातचीत में होती है।

और एक बात उस पर जो आप नहीं कर रहे। आप भाषण नहीं दे रहे, किसी की परीक्षा नहीं ले रहे, और आप यह साबित करने नहीं आए कि जलवायु परिवर्तन असली है। आप एक काम शुरू कराते हैं, देखते हैं कि क्या होता है, और फिर उस पर उन सवालों से बेहतर सवाल पूछते हैं जो बच्चे ख़ुद से पूछते। पूरा काम बस इतना है।

जब कमरे में कुछ भी न हो

जो विकल्प काम करते हैं

वह योजना बिना कहे कुछ चीज़ें मान लेती है: काग़ज़, टोकन के तौर पर कुछ, और एक ऐसा कमरा जहाँ लोग एक-दूसरे को सुन सकें। बहुत सारे सत्रों में तीनों में से एक भी नहीं होता। पायलट एक ऐसे सामुदायिक हॉल में चला जो इतना शोरगुल भरा था कि कुछ भी समझाना बेकार था, और फिर भी काम कर गया, क्योंकि जो गतिविधि मायने रखती थी उसे चार समूहों और एक कमी के सिवा कुछ नहीं चाहिए था।

तो जब स्पष्ट चीज़ मौजूद न हो, तब किसकी ओर हाथ बढ़ाएँ, वह यहाँ है।

अगर आपके पास नहीं है	इसके बदले इस्तेमाल करें	ध्यान दें
पानी के टोकन	बोतल के ढक्कन, कंकड़, इमली के बीज, फटे काग़ज़ के टुकड़े, फ़र्श पर चॉक के निशान	गिनती मायने रखती है। सामग्री नहीं।
छपे हुए भूमिका कार्ड	चारों भूमिकाएँ रद्दी काग़ज़ पर लिख दीजिए, या ज़ोर से बोलकर हर समूह को एक नामांकित चीज़ थमा दीजिए	बच्चों को भूमिका याद रहती है। उन्हें उसका लैमिनेशन नहीं चाहिए।
काग़ज़ और क्रेयॉन	फ़र्श या दीवार पर चॉक, धूल में तिनके, या जोड़ी में नक़्शा बोलकर बताना	O1 बोलकर भी चलती है। धीमी ज़रूर है, पर उतनी ही अच्छी।
शांत कमरा	O4 कीजिए। इसे कोई सामग्री नहीं चाहिए और यह शोर में भी टिकती है। पहले किसी शारीरिक गतिविधि से ध्यान वापस खींचिए।	दिल्ली के लक्ष्मी नगर के एक सत्र में ठीक यही किया गया था।
चार कोनों के बोर्ड	कमरे के चार कोने, ज़ोर से नाम लेकर। उँगली से इशारा कीजिए।	रद्दी काग़ज़ पर A, B, C, D भी चल जाता है।
O2 के लिए गेंद	लपेटा हुआ मोज़ा, एक बोतल, या घेरे में हाथ मिलाते हुए आगे बढ़ाना	आगे बढ़ाना ही तरीक़ा है, चीज़ नहीं।
भरोसेमंद इंटरनेट	ऑफ़लाइन योजना चलाइए। कमज़ोर कनेक्शन पर V गतिविधियाँ मत आज़माइए।	अटका हुआ फैसिलिटेटर 90 सेकंड में कमरा खो देता है।
पर्याप्त समय	O1 और O4 की चर्चा। 25 मिनट।	तीन को हड़बड़ी में निपटाने से बेहतर है एक गतिविधि ढंग से करना।

पायलट की लागत। पूरी पहल करीब 990 अमेरिकी डॉलर में चली, जो निजी तौर पर चुकाए गए, और जिनमें बैठकें, प्रशिक्षण, सत्रों के लिए जलपान, स्टेशनरी और यात्रा शामिल थी। ऐसे एनजीओ के साथ साझेदारी जिसके पास पहले से जगह और बच्चे हों, इसे और घटा देती है, और यही अनुशंसित तरीक़ा है।

खंड 1, और इस चीज़ की बनावट

दोनों किताबें साथ कैसे काम करती हैं

अगर आप यहाँ तक पहुँच गए हैं तो एक ठीक-ठाक सत्र आप अभी चला सकते हैं। इस गाइड का बाक़ी हिस्सा उन सवालों के लिए है जो बाद में आते हैं: कोई गतिविधि जिस तरह बनी है उसी तरह क्यों बनी है, उसके आधार पर आप क्या दावा कर सकते हैं, और तब क्या करें जब बातचीत कहीं ऐसी जगह चली जाए जिसकी आपने योजना नहीं बनाई थी।

क्लाइमेट चैंपियंस हैंडबुक वह किताब है जो बच्चों के हाथ में होती है। यह आपकी है। बच्चों की किताब उन्हें बताती है कि क्या करना है; यह आपको बताती है कि वह करने लायक़ क्यों है और उसकी सीमाएँ कहाँ हैं।

हैंडबुक क्या करती है	यह गाइड क्या जोड़ती है
सरल निर्देश, सवाल और विकल्प देती है।	सीखने के उद्देश्य, साक्ष्य की सीमाएँ, शांति-निर्माण का मक़सद, चर्चा की तकनीक।
शांति-निर्माण को अनुभव से जोड़े रखती है: सुनना, न्याय, मोलभाव, सहयोग।	ढाँचे को स्पष्ट करती है, ताकि आप जानें कि आप क्या बना रहे हैं।
ऑफ़लाइन और ऑनलाइन खेलों को अलग रखती है।	बताती है कि कुछ तरीक़े ऑनलाइन क्यों चल जाते हैं और वॉटर टैंक क्यों नहीं चलना चाहिए।
साझा ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देती है।	आपको युवाओं की भागीदारी और वयस्क तथा संस्थागत ज़िम्मेदारी अलग करने में मदद करती है, और दिखावे से बचाती है।

खंड 2

कमरे में कैसे खड़े हों

- मार्गदर्शक बनिए, भाषण देने वाले नहीं। समझाने से पहले पूछिए।
- सही विज्ञान इस्तेमाल कीजिए, फिर उसे रोज़मर्रा के उदाहरणों और सवालों में बदल दीजिए।
- घर की खपत के लिए किसी बच्चे को कभी शर्मिंदा मत कीजिए, और यह मत जताइए कि अकेले निजी व्यवहार से यह हल हो जाएगा।
- यह मत सिखाइए कि जलवायु परिवर्तन संघर्ष पैदा करता है। यह देखिए कि जलवायु का दबाव आजीविका, असमानता, सेवाओं, विस्थापन और शासन के साथ कैसे घुलता-मिलता है।
- बच्चों को विचार और अधिकार रखने वाले सहभागी मानिए। सुरक्षा, सेवाएँ और ढाँचागत कार्रवाई की ज़िम्मेदारी वयस्कों और संस्थाओं की ही रहती है।
- मतभेद का इस्तेमाल कीजिए। सामने लाइए कि हर व्यक्ति क्या बचा रहा है, सुनिए, मोलभाव कीजिए, और ऐसी साझा ज़मीन खोजिए जो चल सके।

कम कीजिए। ज़्यादा सुनिए। सोचने का काम बच्चों को करने दीजिए।

मज़बूत सत्र वह नहीं जिसमें फैसिलिटेटर सबसे ज़्यादा समझाता है। वह है जिसमें हिस्सा लेने वाले देखते हैं, सवाल करते हैं, तुलना करते हैं, सहयोग का अभ्यास करते हैं, और यह जानकर लौटते हैं कि वे और उनके आस-पास के बड़े, दोनों क्या-क्या कर सकते हैं।

फैसिलिटेट करने भर के लिए पर्याप्त सटीक

आपके पहले सत्र में कहीं न कहीं कोई बच्चा आपसे विज्ञान का ऐसा सवाल पूछेगा जिसका जवाब आपके पास नहीं होगा। यह सबके साथ होता है, यह नाकामी नहीं है, और आप इसे जिस तरह सँभालते हैं वह उन्हें जवाब से ज़्यादा सिखाता है। "मुझे नहीं पता, चलिए पता करते हैं" एक बिल्कुल अच्छा वाक्य है, और बच्चे आमतौर पर उस बड़े पर ज़्यादा भरोसा करते हैं जो यह कहता है, बनिस्बत उसके जो बहाना बनाता है।

आपको जलवायु वैज्ञानिक होने की ज़रूरत नहीं। आपको चार चीज़ों के बारे में सही होना है और बाक़ी सब के बारे में ईमानदार।

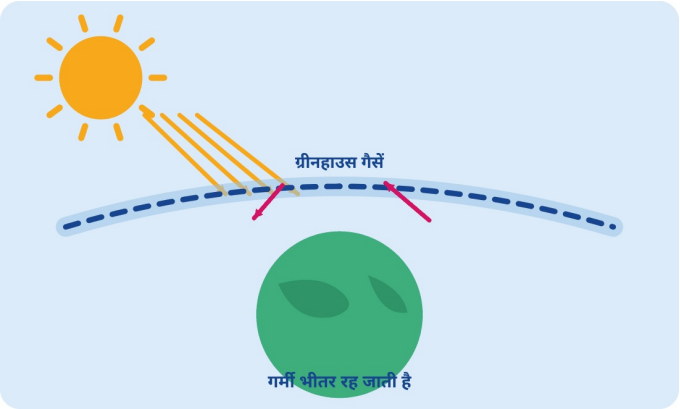

मौसम, जलवायु, आरोपण

मौसम वायुमंडल की अल्पकालिक स्थिति है। जलवायु लंबी अवधि के ढर्रे और औसत हैं, जिन्हें आमतौर पर दशकों में आँका जाता है। अकेली एक घटना जलवायु परिवर्तन नहीं दिखाती। किसी ख़ास घटना को जलवायु परिवर्तन से जोड़ना एक अलग वैज्ञानिक काम है जिसे आरोपण कहते हैं।

ग्रीनहाउस प्रभाव

प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव धरती को जीवन लायक़ गर्म रखता है। इंसानी गतिविधि, सबसे बढ़कर जीवाश्म ईंधन जलाना, ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ाती है और गर्माहट को तेज़ करती है।

इस उपमा की एक सीमा है। "कंबल" और "ग्रीनहाउस" काम की भी हैं और दोनों अधूरी भी। वायुमंडल ठीक काँच के मर्तबान की तरह काम नहीं करता। जब कोई बच्चा इस पर ज़ोर डाले तो यह कह दीजिए।

जलवायु बनाम व्यापक पर्यावरण समस्याएँ

कचरा, जाम नाले, असुरक्षित पानी और वायु प्रदूषण, ये सब बच्चों के लिए मायने रखते हैं, और इनका हर मामला जलवायु परिवर्तन से नहीं होता। कुछ के कारण साझा हैं, कुछ आपस में घुलते हैं। तेज़ बारिश जाम नाले का असर बढ़ा देती है। जीवाश्म ईंधन जलाने से ग्रीनहाउस गैसें भी निकलती हैं और स्थानीय हानिकारक प्रदूषक भी। ख़राब सेवाएँ इन सबके आगे कमज़ोरी बढ़ा देती हैं। इस रिश्ते को समेटने के बजाय सावधानी से सामने रखिए।

आपस में जुड़े असर

नतीजों की कड़ियों को संभावनाओं की तरह इस्तेमाल कीजिए, पक्की सीढ़ियों की तरह नहीं। गर्मी पढ़ाई, सेहत या आजीविका पर असर डाल सकती है, और नतीजा इस पर निर्भर करता है कि कौन कितना उजागर है, बुनियादी ढाँचा, सेहत, आमदनी, सेवाएँ और अनुकूलन कैसे हैं। यह सावधानी तब सबसे ज़्यादा मायने रखती है जब बातचीत सामाजिक तनाव या संघर्ष की ओर मुड़े।

खंड 4, ज़मीन पर यह कैसा दिखता है

इस क्षेत्र के बारे में साक्ष्य क्या कहते हैं

यह रहा सामान्य विज्ञान। और यह रहा उन दो क्षेत्रों में इसका रूप जिनके लिए ये सत्र बने थे। ये आँकड़े जानने लायक़ हैं, भले ही आप इन्हें शायद ही कभी ज़ोर से बोलेंगे।

इन्हें किसी सवाल का जवाब देने के लिए रखिए, सत्र शुरू करने के लिए कभी नहीं। बच्चों को यह बताने की ज़रूरत नहीं कि हालात कितने बुरे हैं। वे ज़्यादातर पहले से जानते हैं, अक्सर बड़ों से बेहतर, और वहाँ से शुरू करने पर डर बढ़ता है, यह भाव नहीं कि कुछ किया जा सकता है।

भारत	क्या मिला	स्रोत
97%	बच्चों में से इतने एक साथ दो या उससे ज़्यादा जलवायु या आपदा ख़तरों का सामना करते हैं, यानी करीब 41.16 करोड़। 23.4 करोड़ से ज़्यादा तीन या उससे अधिक का। सबसे आम जोड़ी है सूखा और भीषण गर्मी।	यूनिसेफ़ 2026, पांडे 2026 के ज़रिए
5.478 करोड़	वे विद्यार्थी जिनकी पढ़ाई 2024 में बाधित हुई, मुख्यतः लू से।	पांडे 2026
55°C	दिल्ली, गांधीनगर, खड़गपुर और रुड़की में निगरानी किए गए आरंभिक बाल-देखभाल स्थलों पर मापा गया सबसे ऊँचा ताप सूचकांक। वेट बल्ब 25 से 32°C। सबसे आम प्रदूषक कणिका तत्व।	झा आदि 2024, ICLEI दक्षिण एशिया
274 में से 255	जनवरी से सितंबर 2024 तक के वे दिन जब भारत में कहीं न कहीं चरम मौसम घटना हुई, और 3,238 मौतें। ये गिनतियाँ पूरी आबादी की हैं, बच्चों की नहीं, और संभवतः नुक़सान को कम करके दिखाती हैं।	पांडे & सेनगुप्ता 2024, CSE

मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीका	क्या मिला	स्रोत
लगभग 10 में 9	बच्चे ऐसी जगहों पर रहते हैं जहाँ पानी का दबाव बहुत या अत्यधिक ऊँचा है।	यूनिसेफ़ 2021, रनिंग ड्राई
8.2 करोड़+	बच्चे ऊँचे या अत्यधिक ऊँचे जलवायु जोखिम का सामना करते हैं, ऐसे क्षेत्र में जो वैश्विक औसत से तेज़ी से गर्म हो रहा है।	यूनिसेफ़ 2023
धूल भरी आँधियाँ	कुवैत में पाँच साल के एक अध्ययन में पाया गया कि धूल भरी आँधी वाले दिन उसी दिन दमा और साँस संबंधी अस्पताल भर्तियों से जुड़े थे।	थालिब & अल-ताइअर 2012
बिजली कटौती	लेबनान में ऊर्जा और जलवायु संकटों ने कई सरकारी स्कूलों को सीमित बिजली पर छोड़ दिया।	यूनिसेफ़ 2026

दोनों क्षेत्रों को एक मत कर दीजिए। भारत में पढ़ाई का बाधित होना आमतौर पर उन लू के बाद आता है जो स्कूल बंद करा देती हैं या समय बदलवा देती हैं, और विस्थापन ज़्यादातर आपदा से होता है और थोड़े समय के लिए। मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीका में विस्थापन ज़्यादा बार लंबे चले सशस्त्र संघर्ष और कमज़ोर संस्थाओं से जुड़ा है, और धूल तथा रेत की आँधियाँ वायु प्रदूषण का एक प्राकृतिक स्रोत जोड़ देती हैं। वहाँ साक्ष्य का आधार भी पतला है: बच्चों के स्तर के प्राथमिक अध्ययन कम हैं, और क्षेत्रीय आँकड़ों की पारदर्शिता नीची है।

भारत वाले अध्ययन की भी एक सीमा है। 55°C की माप उत्तर भारत के चार शहरों से आई है। वे पूरे देश का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं, और आपको उन्हें उस तरह पेश नहीं करना चाहिए।

खंड 5, वह हिस्सा जिसे लोग छोड़ देते हैं

यह शांति-निर्माण क्यों गिना जाता है

अब तक सब कुछ जलवायु के बारे में था। यही वह हिस्सा है जो इसे शांति का काम बनाता है, और यही वह हिस्सा है जिसे ज़्यादातर फैसिलिटेटर सरसरी तौर पर पढ़ जाते हैं, जो अफ़सोस की बात है, क्योंकि यही वजह है कि गतिविधियाँ जिस तरह बनी हैं उसी तरह बनी हैं, न कि किसी आम पर्यावरण पाठ की तरह।

पूरी चीज़ टिकी है **सकारात्मक शांति**पर, जिसे इंस्टिट्यूट फ़ॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस उन नज़रियों, संस्थाओं और ढाँचों के रूप में परिभाषित करता है जो शांतिपूर्ण समाज बनाते और थामे रखते हैं। गर्मी, सूखा और अभाव ठीक इन्हीं चीज़ों को घिसते हैं, और जल्दी घिसते हैं। इसलिए यहाँ जलवायु शिक्षा और शांति-निर्माण एक-दूसरे पर रखे दो लक्ष्य नहीं हैं। हर गतिविधि बच्चों को आठ व्यवहारों में से एक या ज़्यादा का अभ्यास कराती है, और वही आठ असल बात हैं।

	व्यवहार	सकारात्मक शांति का स्तंभ	कहाँ
1	सुनना	दूसरों के अधिकारों की स्वीकृति	O2 V3
2	अलग-अलग अनुभवों को समझना	दूसरों के अधिकारों की स्वीकृति	O3 V4
3	दूसरे के नज़रिए से देखना	दूसरों के अधिकारों की स्वीकृति	O3 V4
4	संसाधनों का न्यायपूर्ण बँटवारा	संसाधनों का समतापूर्ण वितरण	O4 V5
5	मतभेद सुलझाना	पड़ोसियों से अच्छे संबंध	O4 V5
6	मिलकर काम करना	पड़ोसियों से अच्छे संबंध	O6 V7
7	ज़्यादा कमज़ोर को साथ लेना	दूसरों के अधिकारों की स्वीकृति	सभी
8	मिलकर फ़ैसला लेना	छोटे पैमाने पर सहभागी शासन	O6 V5 V7

और फोर-वे टेस्ट

रोटरी की फोर-वे टेस्ट पूछती है कि क्या कोई बात सच है, क्या वह सभी संबंधितों के लिए न्यायपूर्ण है, क्या उससे सद्भाव और बेहतर दोस्ती बनेगी, और क्या वह सभी संबंधितों के लिए लाभकारी होगी। वॉटर टैंक दूसरे और चौथे को सीधे अभ्यास में उतार देता है। चार समूहों को बहुत कम पानी बाँटना होता है, और वे यह सुने बिना कर ही नहीं सकते।

साक्ष्य की सीमा। 2025 की पीसबिल्डिंग फ़ंड थीमैटिक रिव्यू ने 33 देशों की 41 परियोजनाओं का आकलन किया; उसके चौथे समूह ने जलवायु और पर्यावरणीय शांति-निर्माण की 12 परियोजनाएँ देखीं। वह जलवायु के दबाव को कमज़ोर शासन, ग़रीबी और पहले से मौजूद शिकायतों के साथ घुलता-मिलता बताती है। वह जलवायु से संघर्ष तक कोई सीधा कारण-संबंध नहीं पाती। आपको भी नहीं पाना चाहिए। "जोखिम बढ़ाने वाला" कहिए, "कारण" कभी नहीं।

हर चीज़ पर शांति-निर्माण का लेबल मत लगाइए। पर्यावरण सहयोग बातचीत के रास्ते खोल सकता है। शांति-निर्माण का मूल्य इस बात से आता है कि भागीदारी, न्याय और निर्णय-प्रक्रिया कैसे रची और अभ्यास में लाई गई है, इससे नहीं कि विषय जलवायु है।

क्षेत्रीय सत्रों ने क्या सिखाया

इसमें से कुछ भी ज़्यादा देर तक सैद्धांतिक नहीं रहा। सितंबर 2026 में पाँच सत्र चले: तीन दिल्ली भर में आमने-सामने, दो ऑनलाइन। कमरे में करीब अस्सी बच्चों ने हिस्सा लिया, उम्र मोटे तौर पर नौ से पंद्रह, और इन सबके बीच दस रोटरैक्ट क्लब और दो इंटरैक्ट क्लब या तो पहुँचे या जुड़े।

कुछ अच्छा रहा और कुछ नहीं, और जो ग़लत हुआ उसने इस गाइड को उससे ज़्यादा गढ़ा जो सही हुआ। नीचे जो कुछ है वह उन्हीं पाँच दोपहरों से निकला है।

क्या हुआ	इसकी वजह से क्या बदला
बच्चों ने पानी बचाना, कचरा निपटाना, सफ़ाई, प्लास्टिक न जलाना, और कम करना–दोबारा इस्तेमाल–रीसायकल, ये सब किसी के सिखाने से पहले ही गिना दिए।	वहीं से शुरू कीजिए जो वे पहले से जानते हैं, फिर तंत्र, असमान असर और साझा ज़िम्मेदारी की ओर बढ़िए।
मोहल्ले के चित्रों में नाले, मच्छर, कचरा, गाड़ियों का धुआँ, धूल और घरों की हालत सामने आई।	नक़्शा बनाना कम दबाव वाला प्रवेश बिंदु है। सटीक जगहें या निजी बातें कभी मत माँगिए।
वॉटर टैंक ने स्कूल, स्वास्थ्य, घर और आजीविका की भूमिकाओं के बीच असली मोलभाव पैदा किया। हर समूह ने बिना कहे अपने हिस्से का कुछ पानी दे दिया।	इसे ऑफ़लाइन रखिए। चर्चा को बचाइए। तात्कालिक बँटवारे को लंबी अवधि के प्रबंधन से अलग रखिए।
एक सामुदायिक जगह लंबी व्याख्या के लिए बहुत शोरगुल भरी थी।	हलचल, दृश्य, छोटे समूह, छोटे निर्देश, एक बार में एक सवाल। कोई शारीरिक गतिविधि ध्यान वापस ले आती है।
प्रशिक्षित स्वयंसेवक गतिविधि योजना के बजाय खुली चर्चा में बह गए, और समय ख़त्म हो गया।	सत्र से पहले गाइड के साथ पूर्वाभ्यास कीजिए। अब हर मुख्य सत्र के केंद्र में एक ऐसा काम है जो प्रतिभागी करते हैं।
सत्र करीब एक घंटा चले, न कि योजना के दो से ढाई घंटे।	45 और 60 मिनट की योजनाएँ ही डिफ़ॉल्ट हैं। छोटी योजना बनाइए।

ये साक्ष्य क्या नहीं दिखाते। सत्र से पहले या बाद की कोई जाँच नहीं हुई। नमूने छोटे थे और उम्र तथा परिवेश में अलग-अलग। ये सत्र दिखाते हैं कि गतिविधियाँ शोरगुल भरी, समय की तंगी वाली, कम साधनों वाली परिस्थितियों में चलती हैं, और क्लब इन्हें अपना लेते हैं। ये सीखने में बढ़त या व्यवहार में बदलाव नहीं दिखाते। अगर आप अपने सत्र की रिपोर्ट लिखें, तो यह रेखा साफ़ रखिए।

वह माप जोड़िए जो इस पायलट में नहीं थी। अपने सत्र से पहले और बाद तीन छोटे सवाल पूछिए और जवाब लिख लीजिए। अब तक के साक्ष्यों में यही सबसे बड़ी कमी है, और आप इसे पाँच मिनट में भर सकते हैं।

भाग क: ऑफ़लाइन फैसिलिटेशन

खंड 7 और 8

ऑफ़लाइन गतिविधियाँ चलाना

- दिन से पहले उम्र सीमा, समूह का आकार, भाषा, समय, बाल-सुरक्षा प्रक्रिया और जगह की पुष्टि कर लीजिए।
- एक मुख्य रास्ता चुनिए और एक बैकअप। पूरी हैंडबुक एक ही बैठक में इस्तेमाल करने की कोशिश मत कीजिए।
- जगह का इस्तेमाल कीजिए: कोने, घेरे, चलकर देखना और टोकन अमूर्त विचारों को दिखने लायक़ बना देते हैं।
- निर्देश एक मिनट से कम में दीजिए, करके दिखाइए, फिर शुरू कीजिए। चर्चा अनुभव के बाद कीजिए, पहले नहीं।
- मिली-जुली उम्र के लिए समस्या वही रखिए और सवालों की गहराई बदलिए। छोटे और बड़े को जोड़ी में तभी रखिए जब इससे उन्हें हिस्सा लेने में मदद मिले, न कि बड़ी आवाज़ें हावी हो जाएँ।

कोड	मक़सद	शांति से जुड़ाव	मुख्य सावधानी
O1	स्थानीय जानकारी, ताक़त और असमान जोखिम सामने लाना।	जगह, सेवाएँ, पहुँच, समुदाय की ताक़त।	सटीक पते नहीं। कोई ज़बरदस्ती बताना नहीं।
O2	तंत्र की समझ और कारण को लेकर सावधानी बनाना।	जलवायु कई दबावों में से एक। हस्तक्षेप का बिंदु खोजिए।	संभावनाओं को जलवायु-से-संघर्ष के पक्के दावे में मत बदलिए।
O3	असमान विकल्पों को दिखने लायक़ बनाना।	नज़रिया अपनाना और समतापूर्ण सहारा।	यह कभी मत जताइए कि कमज़ोर स्थिति में होना व्यक्ति की कोई कमी है।
O4	टकराती ज़रूरतों, मोलभाव और साझा नियमों का अभ्यास।	संसाधनों का प्रबंधन, न्याय, समझौता।	कोई सही बँटवारा नहीं। ताक़त और दबदबे को सँभालिए।
O5	पर्यावरण, सेवाओं और ज़िम्मेदारी को जोड़ना।	हाशिए के समुदायों पर दोष डाले बिना जवाबदेही।	हर कचरे या निकासी की समस्या को जलवायु परिवर्तन मत कहिए।
O6	जागरूकता से प्रभाव और साझेदारी तक बढ़ना।	सार्थक भागीदारी और संस्थागत जवाब।	ऐसी दिखावटी कार्रवाई से बचिए जिसका किसी निर्णयकर्ता तक कोई रास्ता न हो।

साथी नोट्स, O1 से O6

O1 मेरी जगह

व्याख्या से पहले सुनिए। बच्चे नाले, कचरा, छाया, यातायात, पानी के नल, भीड़ भरे घर, पार्क और समुदाय की ताक़त बनाते हैं। "मुझे जलवायु की समस्या दिखाइए" के बजाय पूछिए "गर्मी या तेज़ बारिश में यहाँ क्या बदल जाता है?" इससे बात ज़मीन पर टिकी रहती है और आप हर पर्यावरण मुद्दे को जलवायु का लेबल देने से बच जाते हैं।

O2 नतीजों का जाल

तीन से पाँच कड़ियों के बाद जान-बूझकर शृंखला तोड़िए। पूछिए: क्या यह पक्का है? और क्या मायने रखता है? सेवाएँ, योजना, परिवार के साधन या सहयोग नतीजा कहाँ बदल सकते हैं? अगर शृंखला संघर्ष, प्रवास या हिंसा तक पहुँचे, तो धीमे हो जाइए और सीधी कारण-रेखा खींचने के बजाय बीच की शर्तों का नाम लीजिए।

O3 बहुत गर्मी

सीख यह नहीं है कि "सबसे सुरक्षित विकल्प चुनो"। सीख यह है कि लोगों के पास बराबर विकल्प नहीं होते। सुनने के बाद बच्चों को कोना बदलने का न्योता दीजिए। बड़े समूहों के लिए एक और परत जोड़िए: स्कूल, परिवहन या नगर स्तर पर क्या बदलना होगा ताकि सुरक्षित विकल्प सबके पास हो?

O4 वॉटर टैंक, सिर्फ़ ऑफ़लाइन

कोई न्यायपूर्ण जवाब घोषित मत कीजिए। कमी से समझौते पैदा होने चाहिए। देखिए कौन बोलता है, किसे बीच में रोका जाता है, बच्चे ज़रूरत से तर्क करते हैं या ताक़त से, कोई पानी दोबारा इस्तेमाल करने या बचाने का सुझाव देता है या नहीं, और सुनने के बाद रुख़ बदलते हैं या नहीं। चर्चा में तात्कालिक बँटवारे को लंबी अवधि के जल-प्रबंधन से अलग कीजिए। पूछिए किसकी आवाज़ ग़ायब है, और किसी असली निर्णयकर्ता को क्या जानना ज़रूरी होता।

> **मैदान में जो देखा गया:** समूह बिना फैसिलिटेटर के नतीजा तय किए एक चलने लायक़ बँटवारे तक पहुँचे, और कुछ बच्चों ने कचरे के लिए लोगों की जवाबदेही की बात उठाई। समूह को वहाँ तक पहुँचने दीजिए। आपकी चुप्पी ही काम कर रही है।

O5 कचरे की कड़ी

ज़िम्मेदारी बाँटने के लिए उल्टी चाल का इस्तेमाल कीजिए। बच्चे देख सकते हैं, छाँट सकते हैं, कुछ कचरा घटा सकते हैं और सुरक्षित जागरूकता का आयोजन कर सकते हैं। वयस्कों, कचरा व्यवस्थाओं, कारोबारों और अधिकारियों की वे ज़िम्मेदारियाँ हैं जिनकी जगह बच्चे नहीं ले सकते। बिना दोष मढ़े जवाबदेही पर बात करने के लिए यह अच्छी जगह है।

O6 समाधान स्प्रिंट

कोई समाधान तब ज़्यादा मज़बूत होता है जब वह किसी निर्णयकर्ता, साझेदार या सेवा का नाम लेता है, और उसमें जवाब पाने का रास्ता शामिल होता है। पूछिए: अगर युवा यह पेश करें, तो उन्हें कैसे पता चलेगा कि आगे क्या हुआ? यही सवाल भागीदारी को सलाह लिए जाने से प्रभाव रखने तक ले जाता है।

भाग ख: ऑनलाइन फैसिलिटेशन

खंड 11 और 12

ऑनलाइन गतिविधियाँ चलाना

- हर 5 से 10 मिनट में हिस्सा लेने का तरीक़ा बदलिए: आवाज़, चैट, रिएक्शन, पोल, काग़ज़, साझा स्लाइड।
- हिस्सा लेने के कम से कम दो रास्ते दीजिए। कैमरा कभी अनिवार्य नहीं।
- चैट झरने का इस्तेमाल कीजिए ताकि आत्मविश्वासी बोलने वाले पहले दिशा तय न कर दें।
- ब्रेकआउट रूम सिर्फ़ वहीं जहाँ मेज़बान की बाल-सुरक्षा, निगरानी और प्लैटफ़ॉर्म नियंत्रण उपयुक्त हों।
- वॉटर टैंक ऑनलाइन कभी मत चलाइए। टोकन और आमने-सामने का मोलभाव ही इसे काम लायक़ बनाते हैं।
- कोई रिकॉर्डिंग नहीं, स्क्रीनशॉट नहीं, निजी एक-से-एक संदेश नहीं, भयावह सामग्री नहीं, ज़बरदस्ती कुछ बताना नहीं।

V1 से V3

V1: नरमी से सुधारिए, और सिर्फ़ ग़लत कहने के बजाय पूछिए कि कौन-सा सबूत मदद करेगा। V2: कभी सटीक घर का पता मत पूछिए, और काग़ज़ कैमरे के सामने करना वैकल्पिक रखिए। V3: हर झरने के बाद एक शृंखला चुनने से पहले कई अलग-अलग जवाब पढ़कर सुनाइए, फिर कोई बाधा डालने वाला कारक पूछिए। इससे इकहरी कहानी वाली सोच घटती है।

V4 एक ही दिन, अलग-अलग विकल्प

कल्पित किरदार इस्तेमाल कीजिए। प्रतिभागियों से यह मत पुछवाइए कि समूह में कौन ग़रीब, बीमार, विस्थापित या वंचित है। चर्चा को "अलग-अलग ज़रूरतें" से हटाकर "कौन-सा सहारा, सेवा या नीति नतीजा बदल देती है ?" पर ले जाइए।

V5 अलग प्राथमिकताएँ, एक योजना

ऑनलाइन रास्ते का यही मुख्य मोलभाव अभ्यास है। एक गुप्त पोल से शुरू कीजिए, फिर साझा योजना माँगने से पहले चुनाव के पीछे के मूल्य सामने लाइए, जैसे सेहत, पहुँच, ख़र्च, सुरक्षा, पढ़ाई। बहुमत के वोट को चर्चा ख़त्म मत करने दीजिए। पूछिए कि अल्पमत की प्राथमिकता क्या बताती है, और क्या कोई नियम या जोड़ उसे बचा सकता है।

V6 रुकिए, जाँचिए, चुनिए

हैंडबुक के पृष्ठ 27 की कल्पित, ग़ैर-भयावह पोस्ट इस्तेमाल कीजिए। मक़सद मीडिया की विशेषज्ञता जाँचना नहीं है। मक़सद है प्रतिक्रिया देने और साझा करने की जल्दबाज़ी को धीमा करना। भावना, स्रोत, तारीख़, जगह, ग़ायब जानकारी, निजता, और कौन भरोसेमंद बड़ा होगा, इन सबको शामिल कीजिए। अगर इससे परेशानी हो तो रोककर सँभालिए।

V7 एक समस्या, कई मददगार

विचारों को मैं, हम, और बड़े तथा संस्थाएँ में बाँटिए ताकि युवा भागीदारी के भाव के साथ लौटें, किसी अव्यावहारिक बोझ के साथ नहीं। बड़े समूहों के लिए एक प्रभाव-रास्ता जोड़िए: कौन तय करता है, उन तक कैसे पहुँचें, कौन-सा सबूत या साथी मदद करता है, और युवाओं को जवाब कैसे मिलेगा।

खंड 14, उनकी जेब का फ़ोन

आपदा की सामग्री बच्चों तक वैसे भी पहुँच जाती है

जलवायु और आपदा के वीडियो बच्चों के फ़ोन पर पहुँच ही जाते हैं, चाहे कोई इसकी योजना बनाए या नहीं। अगस्त 2026 में नेपाल की भोटे कोशी और त्रिशूली बाढ़ के बाद परेशान करने वाले वीडियो घंटों में प्लैटफ़ॉर्मों पर फैल गए और घटनास्थल से सैकड़ों किलोमीटर दूर बच्चों तक पहुँचे। द काठमांडू पोस्ट में लिखते हुए एक बाल-संरक्षण विशेषज्ञ ने तर्क दिया कि बार-बार सामने आने से बच्चे डरे हुए, बेचैन या अशांत रह सकते हैं, भले ही वे आपदा के आस-पास कहीं न रहे हों।

> कभी-कभी किसी बच्चे की रक्षा करना इतना ही सरल होता है कि शेयर का बटन न दबाया जाए।

डर बढ़ाए बिना जानकारी की समझ बनाइए। कल्पित, ग़ैर-भयावह उदाहरण इस्तेमाल कीजिए। यह मानिए कि परेशान करने वाली सामग्री लोगों की भावनाओं पर असर डालती है। स्रोत, तारीख़ और जगह जाँचने को बढ़ावा दीजिए। भरोसेमंद बड़ों और विश्वसनीय माध्यमों की पहचान कीजिए। जुड़ाव बढ़ाने के लिए चौंकाने वाली तस्वीरें कभी इस्तेमाल मत कीजिए।

> **अगर आपके सत्र के किसी बच्चे ने कोई आपदा झेली हो**, तो उस समूह के लिए V6 सही गतिविधि नहीं हो सकती, और वॉटर टैंक के लिए हल्का रूप चाहिए हो सकता है। यह सत्र से पहले मेज़बान संस्था से पूछिए, सत्र के दौरान बच्चे से नहीं।

खंड 15 और 16

10 से 18 वर्ष के लिए ढालना

मोटे तौर पर 10 से 13	मोटे तौर पर 14 से 18
छोटे निर्देश, ठोस परिस्थितियाँ, चित्र और हलचल, कम अमूर्त शब्द।	साक्ष्य की गुणवत्ता, शासन, आजीविका, संस्थागत ज़िम्मेदारी और प्रभाव के रास्ते जोड़िए।
पूछिए "आगे क्या होता है ?" और "कौन मदद कर सकता है ?"	पूछिए "इस नतीजे को और क्या गढ़ता है ?", "फ़ैसले की ताक़त किसके पास है ?", "हमें कौन-सा सबूत चाहिए होगा ?"
कल्पित किरदार, जिनकी पहुँच और सहारे में सादा फ़र्क़ हो।	आपस में कटते कारक जोड़िए, और पूछिए कि क्या कोई समाधान आवाज़, संसाधन या अवसर का पुनर्वितरण करता है।

कठिन पलों में काम आने वाली भाषा

कब	यह कहकर देखिए
प्रतिभागी असहमत हों	"हर व्यक्ति क्या बचाने की कोशिश कर रहा है ? कौन-सी जानकारी या नियम मदद करेगा ?"
एक ही आवाज़ हावी हो	"चलिए किसी ऐसे से सुनते हैं जो अभी तक नहीं बोला", या पहले चैट में या जोड़ियों में जवाब लीजिए।
कोई किसी समुदाय पर दोष डाले	"वहाँ असल में कौन-सी सेवाएँ और विकल्प उपलब्ध हैं ? और किसकी ज़िम्मेदारी है ?"
कहा जाए कि जलवायु संघर्ष पैदा करती है	"जलवायु का दबाव पहले से मौजूद समस्याओं को कठिन बना सकता है। और क्या तय करता है कि तनाव संघर्ष बनेगा या नहीं ?"
कोई बच्चा हर चीज़ के लिए ख़ुद को ज़िम्मेदार महसूस करे	"युवा क्या दे सकते हैं, और बड़ों तथा संस्थाओं को क्या करना ही होगा ?"
कोई योजना किसी को बाहर छोड़ दे	"किसे इसमें शामिल होना या इससे फ़ायदा पाना मुश्किल लग सकता है ? हम इसे कैसे ढाल सकते हैं ?"

खंड 17, इस बार पूरा

बाल-सुरक्षा और कोई नुक़सान नहीं

आपने छोटा रूप पन्ना 2 पर पढ़ा था, कुछ भी चलाने से पहले। यह वही ज़मीन है, ठीक से कवर की हुई, और यही इस गाइड का वह हिस्सा है जिसे इतना जान लेना चाहिए कि बिना देखे अपने शब्दों में कह सकें, क्योंकि जिस पल आपको इसकी ज़रूरत पड़ेगी, उस पल पन्ना ढूँढ़ने का समय नहीं होगा।

- सदमे, विस्थापन, ग़रीबी, बीमारी, माहवारी या पारिवारिक हालात के बारे में कुछ बताने को मत कहिए।
- असमानता से जुड़े किसी भी संवेदनशील परिदृश्य के लिए कल्पित किरदार इस्तेमाल कीजिए।
- अगर बाल-सुरक्षा से जुड़ी कोई बात सामने आए तो मेज़बान संस्था की बाल-संरक्षण प्रक्रिया मानिए। सत्र चलाने से पहले पता कर लीजिए कि वह क्या है।
- खपत, परिवार के चुनावों, या ऐसे हालात के लिए बच्चों को शर्मिंदा मत कीजिए जो उनके बस में नहीं।
- नाम, तस्वीरें, रिकॉर्डिंग और सटीक जगहें सुरक्षित रखिए, ख़ासकर ऑनलाइन।
- तस्वीरों की सहमति स्कूल या एनजीओ से पहले ही तय कीजिए। एक पायलट सत्र में बच्चों ने सहमति नहीं दी, इसलिए कोई तस्वीर नहीं ली गई। यही सही नतीजा है, नाकामी नहीं।
- कठिन विषयों का अंत सँभालने, सहारे और व्यावहारिक भागीदारी के भाव के साथ कीजिए।

> **वह सामग्री जो आपके ही पास रहती है।** कुछ साक्ष्य इस गाइड में रहने चाहिए, बच्चों के सामने नहीं। जैसे, इथियोपिया में सूखे से प्रभावित विस्थापन स्थलों पर एक ही साल में बाल विवाह की दर दोगुनी से अधिक हो गई क्योंकि परिवारों की आमदनी चली गई, और लक्षित संरक्षण कार्य ने अगले साल मामले घटाए। यह उस वयस्क के लिए ज़रूरी संदर्भ है जो तय कर रहा है कि सत्र को किस रूप में रखना है। यह बच्चों की किसी गतिविधि की सामग्री नहीं है।

खंड 18

समावेशन की जाँच

- क्या लोग लंबा पढ़े या सबके सामने बोले बिना हिस्सा ले सकते हैं?
- क्या उदाहरण लिंग, वर्ग, जाति, दिव्यांगता, राष्ट्रीयता या विस्थापन से जुड़ी रूढ़ियों से मुक्त हैं?
- क्या गतिविधि को चलने-फिरने, सुनने, देखने या सीखने की भिन्नताओं के हिसाब से ढाला जा सकता है?
- किसके ज्ञान को विशेषज्ञता माना जा रहा है? क्या जिया हुआ अनुभव बिना किसी को कुछ बताने पर मजबूर किए स्वागत पाता है?
- क्या अंतिम समाधान में अलग-अलग ज़रूरतों और नज़रियों वाले लोग शामिल हैं?

> **एक झटपट जाँच।** कमरे के सबसे चुप बच्चे की कल्पना कीजिए। क्या वह सबके सामने बोले बिना आपकी योजना के हर हिस्से में शामिल हो सकता है? अगर नहीं, तो एक रास्ता जोड़िए।

खंड 19, सबके घर चले जाने के बाद

सत्र को देखिए, बच्चों को नहीं

सत्र ख़त्म हो चुका है, कुर्सियाँ जमा दी गई हैं, और यही वे दस मिनट हैं जो तय करते हैं कि अगला बेहतर होगा या नहीं। सत्र को देखिए, बच्चों को नहीं। आप यहाँ गतिविधि सुधारने आए हैं, कमरे में किसी को अंक देने नहीं।

मैदान से जो सीखें उसे किसी औपचारिक मूल्यांकन से साफ़ अलग रखिए। पायलट ने कोई मूल्यांकन नहीं चलाया, यह साफ़ कहा, और इस ईमानदारी से वह और मज़बूत हुआ।

देखिए	नोट्स
सबसे ज़्यादा बाँधने वाली गतिविधि	
प्रतिभागी पहले से क्या जानते थे	
असमान असर पहचाने गए या नहीं	
मतभेद कैसे सँभाला गया	
कौन चुप रहा, कौन हावी रहा	
सुनने का, या रुख़ बदलने का कोई संकेत	
बिना कहे निकले समाधान	
वह निर्देश जिसे दोबारा लिखना चाहिए	
कुछ भी अप्रत्याशित	

तीन सवाल, पहले और बाद में

यही वह माप है जो पायलट के पास नहीं थी। वही तीन सवाल शुरू में और अंत में पूछिए, और जवाब लिख लीजिए। कुल पाँच मिनट।

	पूछिए
1	एक तरीक़ा बताइए जिससे मौसम या जलवायु आपके दिन पर असर डालती है।
2	जब दो समूहों को पानी चाहिए और पर्याप्त नहीं है, तब क्या होना चाहिए?
3	आपने जो समस्याएँ बताईं, उन्हें ठीक करने की ज़िम्मेदारी किसकी है?

फैसिलिटेटर की स्वयं-रेटिंग

1 से 5 अंक	कथन
1 – 5	गाइड समझने में आसान थी।
1 – 5	गतिविधि चलाने में व्यावहारिक थी।
1 – 5	बच्चों को हिस्सा लेने के सार्थक मौक़े मिले।
1 – 5	गतिविधि ने जलवायु को न्याय और सहयोग से स्पष्ट रूप से जोड़ा।
1 – 5	मैं इस गतिविधि को दोबारा इस्तेमाल करूँगा/करूँगी या ढालूँगा/ढालूँगी।

कोई आँकड़ा तभी बताइए जब आपने वह सचमुच इकट्ठा किया हो, और यह भी बताइए कि कितने लोगों ने जवाब दिया और किस परिवेश में।

खंड 20 और 21, इसे कहीं और ले जाना

अनुवाद और स्थानीय अनुकूलन

दोनों किताबें अनुवाद के लिए ही बनी हैं। अर्थ का अनुवाद कीजिए, शब्द-दर-शब्द नहीं। बच्चों के लिए सरल जलवायु शब्द, बाल-सुरक्षा की भाषा, भूमिकाओं के नाम और स्थानीय संस्थाओं की समीक्षा कीजिए।

> **सुरक्षा के लिहाज़ से अहम निर्देशों को दूसरा पाठक चाहिए।** बच्चों के साथ अनुवादित भाषा इस्तेमाल करने से पहले द्विभाषी समीक्षा या पुनरनुवाद की सलाह दी जाती है, और उसके बाद एक छोटा पायलट। यह सबसे बढ़कर खंड 17 और O4 की जानकारी पर लागू होता है।

भारत और मध्य पूर्व के लिए, किसी भी क्षेत्र को एक जैसा संदर्भ मत मानिए। परिदृश्यों को स्थानीय रूप से प्रासंगिक ख़तरों, सेवाओं और संस्थाओं से बदल दीजिए। मध्य पूर्व के परिवेश में चार चीज़ें बदलती हैं:

क्या बदलता है	कैसे
भाषा	किताबों का अनुवाद चाहिए। लाइब्रेरी में पहले से 17 अरबी स्रोत, 20 अंग्रेज़ी और अरबी में, और 24 तुर्की में हैं।
उदाहरण	इनकी जगह पानी की कमी, धूल भरी आँधियाँ और साँस पर उनका असर, और बिजली कटौती से छोटे हुए स्कूल के दिन रखिए।
संवेदनशीलता	वॉटर टैंक बच्चों से अभाव का अभिनय कराता है। जहाँ बच्चों ने विस्थापन या संघर्ष से जुड़ी कमी झेली हो, वहाँ पहले किसी छोटे समूह पर परखिए, फैसिलिटेटरों को बताइए कि कैसे रोकना है, और कठिन साक्ष्य इसी गाइड में रखिए।
साझेदार	तुर्किये इस क्षेत्र से लगा हुआ है और COP31 की मेज़बानी कर रहा है, जिससे वह अरबी-भाषी देशों से पहले एक व्यावहारिक पहला क़दम बनता है।

SDG का ढाँचा, अगर आपकी संस्था इसका इस्तेमाल करती है

यह सामग्री SDG 4 शिक्षा, 6 जल, 10 असमानता में कमी, 11 टिकाऊ समुदाय, 13 जलवायु कार्रवाई, 16 शांतिपूर्ण और समावेशी समाज, और 17 साझेदारी से जुड़ती है। इसे एक ढाँचागत सहायता की तरह इस्तेमाल कीजिए। एक कार्यशाला कोई सतत विकास लक्ष्य पूरा नहीं करती, और ऐसा दावा करने पर उन्हीं लोगों के बीच आपकी विश्वसनीयता घटेगी जिन्हें आप सबसे ज़्यादा क़ायल करना चाहते हैं।

और जब कुछ हल्का-फुल्का चाहिए

क्विज़ चलाना

हर सत्र का मोलभाव का खेल होना ज़रूरी नहीं। क्विज़ हैंडबुक के पृष्ठ 21 से 24 पर है, और उसकी उत्तर कुंजी यहाँ अगले पन्ने पर, और यह वार्म-अप, समापन, या ऐसे दिन पूरे सत्र के तौर पर काम करती है जब समूह में किसी बड़ी चीज़ के लिए ऊर्जा न हो।

यह बच्चों के लिए लिखी गई थी और पता चलता है कि यह उन स्वयंसेवकों पर भी उतनी ही अच्छी चलती है जिन्हें आप प्रशिक्षित कर रहे हैं, और जिन्हें आमतौर पर बताए जाने के बजाय पूछे जाने से राहत मिलती है।

तैयारी: मर्तबान का प्रयोग

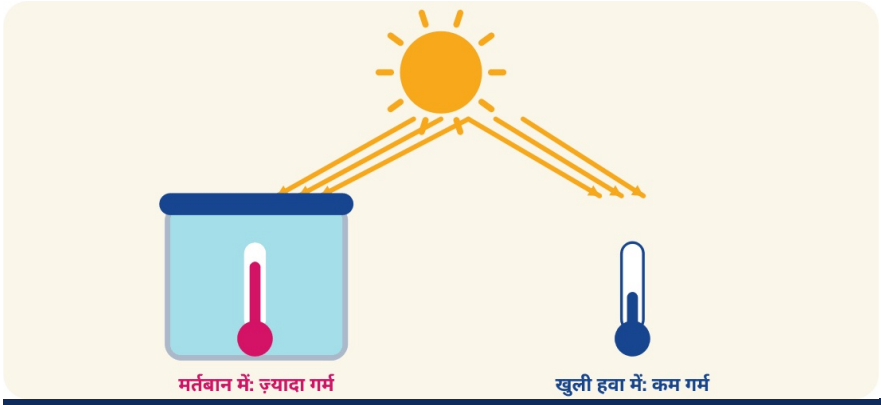

आपको चाहिए	दो थर्मामीटर, ढक्कन वाला एक काँच का मर्तबान, और एक हीट लैंप या धूप वाली खिड़की।
तरीक़ा	एक थर्मामीटर मर्तबान के भीतर रखिए और एक खुली हवा में। रोशनी का स्रोत दोनों से बराबर दूरी पर रखिए। 10 से 15 मिनट तक हर 60 सेकंड पर दोनों पढ़िए।
क्या होता है	मर्तबान गर्मी रोक लेता है, इसलिए भीतर का तापमान बाहर वाले से तेज़ी से बढ़ता है।

जब यह करें तो यह ज़ोर से कहिए। मर्तबान एक मॉडल है, प्रमाण नहीं। यह दिखाता है कि गर्मी रोकने से तापमान बढ़ता है। यह वायुमंडल के ग्रीनहाउस भौतिकी को न दोहराता है न सिद्ध करता है, और वायुमंडल काँच के मर्तबान की तरह काम नहीं करता। जो बच्चे बाद में यह फ़र्क़ सीखेंगे, वे आप पर इसलिए ज़्यादा भरोसा करेंगे कि आपने यह कह दिया था। सुरक्षित उपकरण और उचित निगरानी इस्तेमाल कीजिए।

पहले से सिखाने लायक़ शब्द

शब्द	इसे ऐसे कहिए
जलवायु बनाम मौसम	मौसम आज है। जलवायु कई सालों का औसत है।
ग्रीनहाउस प्रभाव	गैसें सूरज की गर्मी भीतर रोक लेती हैं, जिससे धरती रहने लायक़ गर्म रहती है।
कार्बन फ़ुटप्रिंट	मोटे तौर पर कितनी CO_2 इस वजह से निकलती है कि कोई व्यक्ति या देश क्या करता है।
ह्यूमस	वह उपजाऊ मिट्टी जो खाद बनाती है। यह ज़मीन को नमी और पोषक तत्व थामने में मदद करती है।
सहनशीलता	झटका झेलकर जल्दी सँभल जाना।

7 से 9 वर्ष के लिए, अगर आपका समूह छोटी उम्र का है: सड़क पार करने वाली बात इस्तेमाल कीजिए। हम दोनों तरफ़ तब भी देखते हैं जब कोई गाड़ी दिख नहीं रही, क्योंकि ग़लत होने की क़ीमत बहुत बड़ी है। हम धरती की रक्षा भी इसी वजह से अभी करते हैं। एक वाक्य में यही एहतियात का सिद्धांत है।

सिर्फ़ फैसिलिटेटर के लिए

उत्तर कुंजी

सवाल हैंडबुक के पृष्ठ 21 से 24 पर हैं। यह पन्ना समूह को मत दीजिए।

खंड 1: मौसम, जलवायु और ग्रीनहाउस का कंबल

1 • B मौसम अल्पकालिक है। जलवायु कई सालों का औसत है।

2 • B वायुमंडल गर्मी रोकता है, काफ़ी हद तक मर्तबान की तरह। यहाँ मॉडल-है-प्रमाण-नहीं वाली बात दोहराइए।

3 • C CO_2 जीवाश्म ईंधन से निकलने वाली मुख्य गैस है। मीथेन भी एक ताक़तवर ग्रीनहाउस गैस है, और वह खाद वाले खंड में फिर आती है।

4 • B सड़क पार करने से पहले दोनों तरफ़ देखने की तरह, हम निश्चितता के बिना भी नुक़सान रोकने के लिए क़दम उठाते हैं।

5 • D तीनों। साझा वायुमंडल और महासागर, आने वाली पीढ़ियाँ, और देशों के बीच बहुत अलग-अलग असर। यह ज़िम्मेदारी की नैतिकता वाला सवाल है।

खंड 2: हमारी चीज़ों का सफ़र

6 1 बुवाई, 2 कटाई, 3 पिसाई, 4 पकाना। क़दम 2 से 4 बहुत हद तक जीवाश्म ईंधन से चलने वाली मशीनों पर निर्भर हैं।

7 • B अमीर देश आमतौर पर प्रति व्यक्ति ज़्यादा आवागमन, ज़्यादा बिजली और ज़्यादा आयातित सामान इस्तेमाल करते हैं। इसे तंत्र की बात रखिए, किसी बच्चे या परिवार की नहीं।

8 • सही नई बॉक्साइट खोदना और शोधना बहुत ऊर्जा खाता है। एल्युमिनियम का डिब्बा रीसायकल करने में कच्ची धातु से नया बनाने के मुक़ाबले करीब 95 प्रतिशत कम ऊर्जा लगती है।

खंड 3: खाने के बचे टुकड़ों का जादू

9 लैंडफ़िल, मीथेन, ह्यूमस, कार्बन से भरपूर, इसी क्रम में।

10 • B दो भाग कार्बन से भरपूर भूरी सामग्री और एक भाग खाने के टुकड़े। भूरी सामग्री अपघटन को खुराक देती है और ढेर को साँस लेने देती है।

11 नमी और पोषक तत्व।

खंड 4: ऐसा स्कूल बनाना जो टिक सके

12 पाँचों पर निशान लगना चाहिए। सहनशीलता का मतलब है ऐसा बनाना कि तूफ़ान के बाद भी पढ़ाई जारी रह सके, जिसमें ढाँचे के साथ-साथ हरी जगह, पानी और बिजली भी शामिल हैं।

डिज़ाइन के ये विचार कहाँ से आए। जलवायु और आपदा-सहनशील स्कूलों पर यूनिसेफ़ सप्लाई डिवीज़न का मार्गदर्शन, जिसमें ऐसे डिज़ाइन शामिल हैं जो हवा, बाढ़ और भूकंप झेल सकें और जिनमें सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और हरी जगहें हो सकती हैं। बच्चे बताते हैं कि क्या चाहिए। ढाँचागत इंजीनियरिंग योग्य वयस्कों का काम है।

संदर्भ

इस गाइड का हर आँकड़ा इनमें से किसी एक तक जाता है, और अगर कोई स्वयंसेवक या प्रधानाचार्य कभी पूछे कि कोई संख्या कहाँ से आई, तो यही वह पन्ना है जिसे पलटना है। करीब 305 स्रोतों की व्यापक लाइब्रेरी, देश, विषय और स्थिति के अनुसार क्रमबद्ध, परियोजना की साइट पर है।

Gaston, E. (2025). Youth in climate, peace and security, and environmental peacebuilding. Cohort 4 of the 2025 Peacebuilding Fund Thematic Review on Youth, Peace and Security. UNU Centre for Policy Research. un.org/peacebuilding/sites/www.un.org.peacebuilding/files/documents/thematic_review_cohort_4_brief_web.pdf

Institute for Economics & Peace (2022). सकारात्मक शांति Report 2022.visionofhumanity.org

Jha, K., Prakash, M., Ghorpade, A. R., Kumar, E., & Behera, M. D. (2024). Study on young children and climate change. ICLEI South Asia.

Mohamed, M., et al. (2025). Climate change and child wellbeing: a systematic evidence and gap map. The Lancet Planetary Health.

Pandey, K. (2026). Born into climate risk: nearly every child in भारत now faces overlapping hazards, warns UNICEF. Down To Earth.

Pandey, K., & Sengupta, R. (2024). Climate भारत 2024: an assessment of extreme weather events, January to September. Centre for Science and Environment.

Proulx, K., Daelmans, B., Baltag, V., & Banati, P. (2024). Climate change impacts on child and adolescent health and well-being: a narrative review. Journal of Global Health, 14, 04061.

Raghuvanshi, A. (2026, 9 September). Disaster reaches children through their screens. This must stop. The Kathmandu Post.

Save the Children (2024). Participatory action research: climate and youth. resourcecentre.savethechildren.net/pdf/PAR-Climate-and-youth_2024.pdf

Thalib, L., & Al-Taiar, A. (2012). धूल भरी आँधियाँ and the risk of asthma admissions to hospitals in Kuwait. Science of the Total Environment, 433, 347 to 351.

UNICEF (2021). Running Dry: the impact of water scarcity on children in the Middle East and North Africa. unicef.org/mena/reports/running-dry-impact-water-scarcity-children

UNICEF (2023). Growing up in a changing climate: the impact on children in the Middle East and North Africa.

UNICEF (2026). Children's Climate Risk Report 2026. data.unicef.org/resources/childrens-climate-risk-report-2026

UNICEF Supply Division (n.d.). Building climate and disaster resilient schools. unicef.org/supply/building-climate-and-disaster-resilient-schools

United Nations (2015). 2030 Agenda for Sustainable Development. sdgs.un.org/2030agenda

Vergunst, F., & Berry, H. (2021). Climate change and children's mental health: a developmental perspective. Clinical Psychological Science.

Weeda, L. J. Z., et al. (2024). How climate change degrades child health: a systematic review and meta-analysis. Science of the Total Environment.

Yerkes, S., & Uakkas, S. (2025). Youth and climate change in the Middle East and North Africa. Carnegie Endowment for International Peace.

Project source: Ghosh, A. (2026). Climate, Children and Peace: understanding climate change through a child-centred peacebuilding lens, भारत and मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीका.

दो लिंक रोके गए। पहले के मसौदों में एक PEEP जलवायु संसाधन और एक बायर ग्रीनहाउस कक्षा संसाधन दिखते हैं। दोनों में से किसी का URL जीवित होने की पुष्टि नहीं हो सकी, इसलिए जब तक कोई चालू लिंक न मिले, दोनों इस सूची से बाहर हैं। और कुछ नहीं हटाया गया।